चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	02	02-04

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक: प्रो. केपी सिंह

एचएयू की तरफ से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डेटा की भूमिका अहम होती है। युवाओं को रिसर्च में नई तकनीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने ऑनलाइन आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें, ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

कई देशों के 71 प्रतिभागी कार्यक्रम में हुए शामिल

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डेटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओपी श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	02	02-03

'ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज' विषय पर हुआ वेबिनार

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू लाइब्रेरी के साथ रेफ्रिड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा, क्योंकि इस वेबिनार में हिस्सा लेने के बाद संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विभाग के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधनः अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत शृंखला प्रस्तुत की। रेफ्रिड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ता को रिमोट लॉगिन सुविधा के साथ रेफ्रिड प्लेटफार्म का उपयोग और बड़ी संख्या में संसाधन का वर्णन किया। प्रो. बलवान सिंह ने बताया वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे। वेबिनार की आयोजक सचिव डॉ. सीमा परमार ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की और डॉ. राजेंद्र कुमार सहायक लाइब्रेरियन ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। वेबिनार का आयोजन एचएयू के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया। जिसमें 300 से अधिक संख्या में छात्र पंजीकृत हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	05	01-05

किसानों को नई किस्मों के प्रति वेबिनार, एसएमएस के माध्यम से भी जागरूक कर रहा विवि

एचएयू ने विकसित की घीया की नई वैरायटी, 140 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार कर सकेंगे किसान

महबूब अली | हिसार

एचएयू हिसार ने घीया की कई आधुनिक किस्म पैदा की है। एचएयू के वैज्ञानिकों का कहना है कि घीया की आधुनिक किस्म की खेती वैज्ञानिक तरीके से कर किसान कम जमीन में भी अधिक पैदावार कर सकता है। एचएयू के अधिकारी किसानों को भी नई किस्म को उगाने के प्रति जागरुक कर रहे हैं।

लौकी की प्रजाति ठंडी होती है। इसके फल सुपाच्य होने के कारण चिकित्सक रोगियों को लौकी की सब्जी अधिक से अधिक खाने की सलाह देते हैं। लौकी के हरे फलों से सब्जी, रायता, खीर, कोफ्ते, अचार एवं मिठाइयां बनाई जाती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अधिक आमदनी के लिए घीया की आधुनिक वैज्ञानिक सस्य क्रियाएं अपनाएं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के घीया विशेषज्ञ डॉ. धर्मवीर सिंह दूहन व सब्जी विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एके भाटिया ने किसानों से घीया के अधिक उत्पादन के लिए घीया की उन्नत किस्मों व वैज्ञानिक सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी है। एचएयू के वैज्ञानिकों ने बताया कि नई विकसित घीया की किस्म से 140 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार कर सकेंगे।

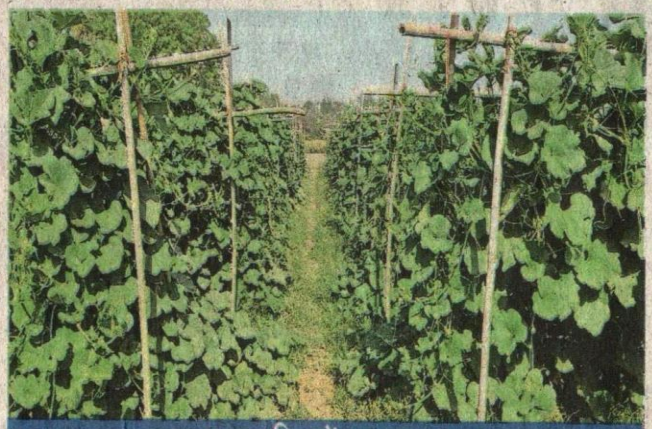

उन्नत किस्मों का चुनाव

- **पूसा समर प्रोलीफिक लौंग :** यह किस्म गर्मी व बरसात दोनों मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में फल काफी संख्या में लगते हैं और बेलों की बढ़वार भी काफी होती है। 56-60 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- **पूसा समर प्रोलीफिक राउंड :** यह किस्म भी गर्मी व बरसात दोनों मौसम के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे फल 15-18 सेमी. घेरे के गोल व हरे रंग के होते हैं।
- **घीया हिसार 22 :** यह किस्म भी ग्रीष्म व बरसात ऋतु में उगाने के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे व खाने योग्य हल्के हरे फलों की औसत लम्बाई लगभग 30 सेमी. होती है। इसकी औसत पैदावार 100-120 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- **हिसार घीया संकर 35 :** यह घीया की एक संकर किस्म है। इसके फल बेलनाकार व बेल पर ज्यादा मात्रा में लगते हैं तथा बेलों की बढ़वार अच्छी होती है।

बिजाई का समय

गर्मी की फसल के लिए फरवरी-मार्च तथा बरसात की फसल के लिए जून-जुलाई का समय बिजाई के लिए उपयुक्त है।

बीज की मात्रा

घीया की बिजाई के लिए 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी रहता है। बिजाई से पहले बीज को रात भर पानी में भिगो लेना चाहिए, ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो।

सावधानियां

1. सिफारिश किए गए कीटनाशक ही डालें, क्योंकि घीया कुछ अन्य कीटनाशकों से जल सकती है।
2. ओस के समय धूड़ा न करें।
3. खराब व सड़े फल एकत्रित करके मिट्टी में गहरा दबा दें।
4. कीटनाशक के छिड़काव से पहले फल तोड़ लें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2020	03	06-08

अमेरिका, अफगानिस्तान के विज्ञानियों को रिसर्च डाटा पर दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को इंडो-यूएस-अफगानिस्तान के विज्ञानियों व अफसरों के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस दौरान एचएयू के कुलपति ने कहा कि देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के विज्ञानी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया।

कुलपति बोले -देश के विकास और नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा निभा सकते हैं अहम भूमिका

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आनलाइन वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी।

71 प्रतिभागी हुए शामिल

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। 29 जून को प्रशिक्षण में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को बताया जाएगा।

भविष्य में भी हो ऐसे आयोजित

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसमें अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. अनुज राणा, प्रो ओपी श्योराण और डा. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के बारे में बताया। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2020	04	04-06

एचएयू में ई-लाइब्रेरी पर वेबिनार, पढ़ाई का रास्ता होगा आसान

जासं, हिसार। : एचएयू हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह के निर्देशन में आयोजित वेबिनार में 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत श्रंखला प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2020	01	01-06

विचार विमर्श

इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

'रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक'

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यू.एस.-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डैवलपमैंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकृचर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके।

उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण का बताया महत्व

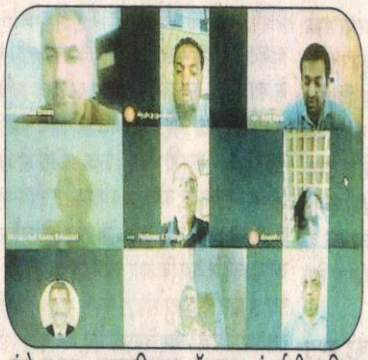

इंडो–यू.एस.–अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह।

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टैस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टैस्ट के लिए असाइनमैंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टैस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2020	04	07-08

ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर वैबीनार आयोजित

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया।

वैबीनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी.सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वैबीनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे गए और वैबीनार के दौरान ही प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा उनके उत्तर दिए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.06.2020	12	06-08

नवीनतम तकनीक प्रयोग करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। इसलिए युवा वैज्ञानिक रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण मे शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही।

प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत तथा अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस समेत 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.06.2020	12	01-02

हकृवि में ई-संसाधनों की खोज पर वेबिनार

■ वेबिनार में 300 से अधिक संकाय व छात्र हुए पंजीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर ई-संसाधनों की विस्तृत श्रंखला प्रस्तुत की। इसके बाद रेफ्रिड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ता को रिमोट लॉगिन सुविधा संसाधन का वर्णन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	24.06.2020	--	--

नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम : कुलपति

हिसार/24 जून/रिपोर्टर

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व

इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओपी श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.06.2020	--	--

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा निभा सकते हैं अहम भूमिका : कुलपति

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण मे शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज रणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.06.2020	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

हकृवि में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण मे शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	24.06.2020	--	--

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : वीसी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण मे शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रिकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके।

इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यवहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	24.06.2020	---	---

रिसर्च में नवीनतम् तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : प्रोफेसर के.पी.सिंह

June 24, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार: 24 जून

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबुल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बाल्ख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से

शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको और अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 28 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	24.06.2020	---	---

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

June 24, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 24 जून

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी.सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से आसानी से जुड़ सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की। इसके बाद रेफ्रेड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ताओं को रिमोट लॉगिन सुविधा के साथ रेफ्रेड प्लेटफार्म का उपयोग और बड़ी संख्या में संसाधन का विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे गए और वेबिनार के दौरान ही प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा उनके उत्तर दिए गए। इस वेबिनार की आयोजक सचिव डॉ. सीमा परमार ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की और डॉ. राजेंद्र कुमार सहायक लाइब्रेरियन ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।